

वाह ! क्या रात थी

“मेरे प्रिय पाठकों और पाठिकाओं को मेरा नमस्कार ।
मेरा नाम एलिस है । मैं भी आपकी ही तरह
अन्तर्वसना का नियमित पाठक हूँ । मुझे इस साईट
की कहानियों को पढ़कर बहुत मजा आता है । मुझे ये
सभी कहानियाँ बहुत अच्छी लगी और मैं पुरानी
वाली कहानियाँ भी पढ़ना चाहता हूँ इसलिये मैंने भी
अपनी आपबीती आप [...] ...”

Story By: guruji (guruji)

Posted: Saturday, July 21st, 2007

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [वाह ! क्या रात थी](#)

वाह ! क्या रात थी

मेरे प्रिय पाठकों और पाठिकाओं को मेरा नमस्कार । मेरा नाम एलिस है । मैं भी आपकी ही तरह अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ । मुझे इस साईट की कहानियों को पढ़कर बहुत मजा आता है । मुझे ये सभी कहानियाँ बहुत अच्छी लगी और मैं पुरानी वाली कहानियाँ भी पढ़ना चाहता हूँ इसलिये मैंने भी अपनी आपबीती आप लोगों के सामने पेश करने का इरादा अन्तर्वासना के जरिये किया है । यह मेरी पहली कहानी है, अगर आपकी कृपा हुई तो मुझे आगे भी और कहानियाँ भेजने का मौका मिलेगा ।

मैं जिस लड़की के बारे में बताने जा रहा हूँ, उसका नाम स्नेहा है । वो मेरे पड़ोस में रहती है । उसका कद करीब 5'6" है, रंग गोरा है और बदन का क्या कहना ! साली क्या मस्त लगती है कि जो भी देखे तो उसका लंड तो खड़ा हो ही जाता है । उसके मम्मे करीब 34" के होंगे और उसके गांड करीब 38" की होगी ।

बात उन दिनों की है जब मैं कोचिंग में पढ़ा करता था और छुट्टियाँ होने पर मैं घर जाता था । वो एक अमीर घराने की माडर्न ख्याल की लड़की थी और शायद इसीलिए वो ज्यादातर जींस व टी-शर्ट में रहती थी । इस कारण उसके शरीर के सारे उभारों का अच्छी तरह से प्रदर्शन होता था और यह देख सभी लड़के उस पर फ़िदा रहते थे । पड़ोस में होने के कारण वो मुझे भाई जैसा मानती थी और मैंने भी कभी उसे गलत नजर से कभी नहीं देखा था । पर मुझे पता था कि भाई-भाई करके वो मुझे लाइन देती थी ।

बात गर्मियों की है जब छुट्टियाँ हुई और मैं घर गया । मुझे लग रहा था कि इस गर्मियों की छुट्टियों का मैं पूरा आनंद लूँगा । एक दिन मैं अपने नए साल के सत्र के लिए पढ़ाई कर रहा था, वो आई और कहने लगी, "मेरे घर पर सब मेरी मौसी के यहाँ शादी में जा रहे हैं इसलिये मैं आज यहाँ ही सोऊंगी ।"



वो बहुत खुश नजर आ रही थी और मेरी किस्मत भी देखो यारो कि पापा-मम्मी को भी उसकी मौसी के यहाँ से आग्रहपूर्वक न्योता आया कि आप भी आओ और एलिस को भी ले आना। पर पापा स्नेहा के यहाँ होने से उसे अकेला छोड़ नहीं सकते थे और मुझे पढ़ना भी था, सो मैं यहीं रुक गया और पापा-मम्मी दोनों गेराज से गाड़ी निकाल कर चले गए। मम्मी ने जाने से पहले बहुत हिदायतें दी कि दरवाजे खुले रख कर मत सोना, दोनों एक ही कमरे में सो जाना और बेड अलग अलग रखना। और हम आज रात में भी आ सकते हैं या कल आ जायेंगे वगैरह-वगैरह। मैंने भी हर आज्ञा का पालन किया, सिर्फ एक को छोड़कर, बेड अलग अलग वाला।

रात के नौ बज चुके थे और हम सोने की तैयारी कर रहे थे। उसका आज मूड कुछ बदला-बदला लग रहा था। वैसे मैं उस समय शरीफ बच्चा था। ऊपर के दरवाजे जांचने के लिए हम दोनों ऊपर गए, क्योंकि मुझे रात में अकेले डर लगता है। हम नीचे न आकर वहाँ पर ही बातें करने लग गए। वह वो मुझे बार-बार स्पर्श कर रही थी और गन्दी-गन्दी मतलब यौन सम्बन्धी बातें करने लगी। उसी समय बिजली चली गई। अब तो वो बोलने लगी कि अगर नीचे जायेंगे तो मुझे भी डर लगेगा सो हम वहीं रुक गए और बातें करने लगे। मेरा तो लंड वहीं खड़ा हो गया पर शायद अँधेरा होने के कारण उसे दिखाई नहीं दिया होगा। मैं भी जवाब में थोड़ी-थोड़ी खुलकर बातें करने लग गया। अब दोनों में कुछ-कुछ होने लगा था, हम दोनों वहाँ चिपकने लगे थे। हम दोनों गर्म होने लगे थे और वहाँ आस-पास में कोई न होने के कारण हमने आखिर एक चुम्बन तो कर ही लिया। इतने में बिजली आ गई और वहाँ हमें कोई देख लेता, उससे पहले हम दरवाजे जाँच कर नीचे आ गए।

उसने नीचे आते ही मेरा एक लम्बा चुम्बन किया। मैंने स्नेहा को अपनी बाँहों में भर लिया, अपनी टांगों स्नेहा की टांगों से चिपका दी और मैंने अपने जलते हुए होंठ स्नेहा के होंठों पर रख दिए। फिर मैं उसके नर्म-नर्म होंठों को अपने होंठों में भर कर चूमने लगा। स्नेहा ने मुझे अपनी बाँहों में कस लिया। मेरे हाथ स्नेहा के जिस्म पर फिर रहे थे। कुछ देर बाद मैंने



स्नेहा को बिस्तर पर सीधा लिटा दिया और मैं उसके ऊपर आ गया। हम दोनों फिर से किस करने लगे और मेरे हाथ उसके शरीर पर कहाँ-कहाँ फिर रहे थे, कुछ पता नहीं।

करीब दस मिनट की चुम्मा-चाटी के बाद वो पूरी गर्म हो गई और मेरे कपड़े उतारने लगी। मेरा भी लंड अब जैसे अन्दर ही पैंट फाड़ने लगा और जल्द ही उसने मेरे सारे कपड़े उतार दिए। उसने अपने हाथों से मेरे लंड को मसलना शुरू कर दिया। मैं भी उसके मम्मे दबाने में व्यस्त था। मैंने भी देर ना करते हुए उसके कपड़े उतार दिए। मैंने उसको खेलने के लिए अपना लंड दे दिया। मैंने उसे बिस्तर पर लेटा दिया और फिर उसकी गोरी चूत अपनी जीभ से चाटने लगा। चूत बिल्कुल साफ़ थी यानि एक भी बाल नहीं था।

वो बोली, "आज पूरी तैयारी करके आई हूँ !"

स्नेहा के मुँह से सिसकारियाँ निकलने लगी। मैं तो मानो स्वर्ग की सैर कर रहा था।

आप तो उसे देखते ही पागल हो जाते और जंगली सेक्स चालू कर देते। पर जैसे कि मैंने कहा था कि मैं अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ, तो मैंने सेक्स करने के नियम पढ़ रखे थे जो किसी सज्जन ने अन्तर्वासना को भेंट किये थे। मैंने बस अपने को नियंत्रित किया।

उसके गुलाबी चुचूकों को हल्के-हल्के मसलने लगा, फिर अपने होंठों में भर कर चूसने लगा। स्नेहा के मुँह से सिसकारियाँ निकलने लगी। बाद में वो मेरा लौड़ा चूसने लग गई, दो-तीन मिनट में ही मेरी हालत खराब हो गई तो मैंने उसे रोका। फिर मैं उसकी चूत चाटने लगा। दो-तीन मिनट बाद वो झड़ गई तो मैं उसका अमृत-पान करने लगा। वाह ! एक अजीब मजा आ रहा था। वास्तव में वो मजा आ रहा था जो जिन्दगी में पहले कभी नहीं लिया। फिर मैं स्नेहा की चूत पर हाथ फिराने लगा। हाथ फिराते-फिराते मैंने अपनी उँगलियाँ स्नेहा की चूत के अन्दर डाल दी और अन्दर-बाहर करने लगा।



वो और जोश में आ गई और तड़पते हुए बोलने लगी, "बस अब और मत तड़पाओ मेरे राजा !"

फिर मैं उसे ज्यादा न तड़पाते हुए उसकी चूत का श्री गणेश करने को तैयार था।

स्नेहा ने मेरा हाथ पकड़ लिया और बोली, "प्लीज, कंडोम तो लगा लो ! मुझे डर लगता है।"

मैंने बैड की दराज में से कंडोम निकाल कर अपने लण्ड पर लगा लिया। स्नेहा ध्यान से मुझे कंडोम लगाते देख रही थी। फिर अपना लंड उसकी बुर पर रख दिया। लंड धीरे धीरे अन्दर चला गया पर काफी मेहनत करनी पड़ी हमको पहली बार में। वो दर्द से तड़पने लगी थी, मैंने और जोर लगाया तो उसकी बुर से थोड़ा खून निकला। खून मेरे लंड पर व उसकी जांघों पर व थोड़ा चादर पर भी गिरा था। वो पहले तो यह देख कर घबरा गई पर वो जानती थी कि पहली बार में यह सब होता है, उससे उसे काफी हिम्मत मिली।

मैं थोड़ा रुका और उसके होंठ चूसने लगा। थोड़ी देर बाद उसका दर्द कम हुआ, हमने खून साफ़ कर फिर शुरु किया। तब मैंने फिर से उसे चोदना चालू कर दिया। मैं उसके नर्म-नर्म होंठों को अपने होंठों में भर कर चूसने लगा ताकि वो अपना दर्द भूल जाए और करीब 15 मिनट की चुदाई के बाद हम दोनों एक साथ झड़ गए।

बाद में तो मुझे लग रहा था कि उसकी चूत खुल गई। फिर हमने किस किया और उसके बाद वो मेरे लौड़े को चूसने लग गई ताकि फिर से मेरा लौड़ा खड़ा हो जाये। जल्द ही मेरा लंड एक बार फिर से चुदाई करने के लिए तैयार था। इस बार फिर से चूत को ही अलग-अलग आसनों से चोदने लगा।

स्नेहा बोली, "मुझे कुछ हो रहा है, लगता है मेरी चूत से पानी निकलने वाला है। खूब ज़ोर-



ज़ोर से धक्का लगाओ।”

मैं समझ गया कि वो झड़ने वाली है। मैंने बहुत ही तेज़ी के साथ उसकी चुदाई शुरू कर दी।

उसके मुख से आवाज़ें आने लगी, “आआआ !!! मैं ऽऽऽ आआआ ऽऽऽ रही ऽऽऽ हूँ ऽऽऽ और तेज़ ऽऽऽ और तेज़ ऽऽऽ”

उसकी चूत से पानी निकलने लगा और मेरा सारा लंड भीग गया। मैं भी बिना रुके उसे आँधी की तरह चोदता रहा। लगभग बीस मिनट तक चोदने के बाद मैं उसकी चूत में ही झड़ गया। इस दौरान वो भी तीन बार झड़ चुकी थी। लंड का पूरा पानी उसकी चूत में निकल जाने के बाद मैं हट गया।

अब उसकी गांड की बारी थी पर वो बोलने लगी, “आज नहीं, फिर कभी इसका भी नंबर आएगा, थोड़ा सब्र करो।”

पर मैं ऐसा मौका नहीं छोड़ना चाहता था इसलिये उसकी एक न सुनी और गांड के लिए नीचे तकिये रखने लगा और फिर से उलटा लिटा कर गांड का पूरा मज़ा लिया। अब भी ऐसा मौका मिलता है तो छोड़ता नहीं हूँ और वो भी नहीं छोड़ना चाहती। जब भी समय मिलता है, मम्मे दबाकर और चूम कर मजे लेता हूँ, अब तक कई बार चोद चुका हूँ और औरों के भी मजे लिए हैं, वो मैं आपको बाद में कहानी के रूप में लिखता रहूँगा। अब तो कहना पड़ेगा कि “वाह ! क्या रात थी”

आप मेरी कहानी के बारे में अपनी राय जरूर दें और मेरी गलतियाँ भी बताएँ ताकि मैं उनको सुधार सकूँ। अच्छा अब के लिए इजाजत चाहता हूँ।



Other stories you may be interested in

पड़ोसन विधवा को पटा कर चूत चोदी

अन्तर्वासना पर ये मेरी पहली कहानी है। मुझसे कुछ भूल हो जाए.. तो प्लीज़ माफ़ कर दीजिएगा। मेरा नाम शुभम है.. मेरी उम्र 40 साल है। ये बस उस वक़्त की है.. जब मेरा और मेरी बीवी का झगड़ा हो [...]

[Full Story >>>](#)

लैंडलेडी भाभी ने चूत की आग मुझसे बुझवाई

मेरा नाम निखिल है, मैं जयपुर, राजस्थान का निवासी हूँ। मुझे भाभियों और आंटियों की कमर और पेट बहुत अच्छा लगता है, पतली लड़की की चूत मारने में बहुत मजा आता है। बात तब की है जब मैं इन्जीनियरिंग करने [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी पड़ोसन भाभी मस्त और चालू है

मेरा नाम महेंद्र सिंह है, मैं राजस्थान के एक बड़े सिटी के साथ लगते एरिया में रहता हूँ। यह मेरी पहली रचना है। जब मेरी उम्र 19 थी, तब मेरे पास के प्लाट में गाय भैंस का दूध बेचने वाले [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोस की नसरीन भाभी की चिकनी चूत की चुदाई

गाँव में मेरे पड़ोस में एक भाभी रहती थीं.. उनका नाम नसरीन था, वो मुझसे बहुत मस्त बात करती थीं, नसरीन भाभी जब बात करती थीं तो मुझे बहुत हॉट लगती थीं पर कभी मैंने उनको गलत नजर से नहीं [...]

[Full Story >>>](#)

जयपुर की चुदासी भाभी ने चूत चुदवाई

हाय फ्रेंड्स, मैं रामू शर्मा जयपुर से हूँ। आपके सामने अपनी एक हिन्दी सेक्स स्टोरी लेकर आया हूँ, बड़ी हिम्मत करने के बाद मैं यह कहानी आपको बताने जा रहा हूँ। यह पिछले साल की बात है। मेरे पड़ोस में [...]

[Full Story >>>](#)





Other sites in IPE

[Kinara Lane](#)



A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

[IndianPornVideos.com](#)



Indian porn videos is India's biggest porn video tube site. Watch and download free streaming Indian porn videos here.

[Indian Phone Sex](#)



Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all indian languages

[Tamil Scandals](#)



சிறந்த தமிழ் ஆபாச இணையதளம்

[Antarvasna Porn Videos](#)



Antarvasna Porn Videos is our latest addition of hardcore porn videos.

[Sex Chat Stories](#)



Daily updated audio sex stories.